



भारत
अमृत महोत्सव



FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

PLANTATION PROGRAMMES CONDUCTED UNDER BHARAT AMRIT MAHOTSAV

[6th – 30th July, 2021]

'Bharat Ka Amrit Mahotsav' is an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence of progressive India and the glorious history of its people, culture and achievements. The celebrations started 75 weeks before our 75th anniversary of Independence and will end on 15th August, 2023.

As a part of 'Bharat Ka Amrit Mahotsav' celebration, FRCER, Prayagraj organized a series of Plantation programmes in the month of July, 2021:

Shaheed Smriti Van

Plantation programme was organized to establish 'Shaheed Smriti Van' under Bharat Amrit Mahotsav on 6th July, 2021 in memory of our freedom fighters and our soldiers. It contains wild fruit trees species of the region.



Planation Programmes organized: 'Bharat Amrit mahotsav'-July 2021: Report compiled by
Extension Officer-In-Charge Dr. Kumud Dubey

Miyawaki Model Plantation:

Plantation programme to demonstrate Miyawaki Model Plantation was also organized on 6th July 2021. Miyawaki is a technique pioneered by Japanese botanist Akira Miyawaki, that helps build dense, native forests. Miyawaki Model plantation was established by planting dozens of native species in a plantation scheme developed by the Centre.



Demonstrate Model Lac Host Plants:

Plantation programme to demonstrate Lac Cultivation Model under Bharat Amrit Mahotsav was organized on 12th July 2021. Under this demo plantation different host plants for Lac cultivation like Kusum (*Schleichera oleosa*), palash (*Butea monosperma*), Ber (*Ziziphus mauritiana*) and *Flamingia semialata* were planted to establish demonstration models to create awareness and provide training on scientific Lac cultivation, its utilization and marketing.



Plantation at Silnnasirapur Campus, FRCER, Prayagraj:

Another plantation programme involving flowering tree seedlings was organized at new campus Silnnasirapur Prayagraj on 13th July 2021.

Heritage Forest 'Sanskriti Van':

Heritage forest was established at Sadafal Ashram, Jhunsi Prayagraj on 28th July, 2021. In Heritage forest sacred plants were planted in Nakshatra Vatika, Navagrah Vatika and Rashi Chakra Vatika.

Moringa Leaf Production Area:

Plantation programme was organized to establish "Moringa Leaf Production Area" on 30th July, 2021 at FRCER, Prayagraj Nursery, Padilla.



All FRCER, Prayagraj Officials were actively participated in these programmes. In inception, Dr. Kumud Dubey, Extension In-charge, briefed about the Bharat Amrit Mahotsav and its significance. During different Plantation programmes Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj emphasized on the rationale behind different plantation programmes/models. Dr. Anita Tomar, Scientist, F, FRCER, Prayagraj explained about wild fruit species while Dr. Anubha Srivastava Scientist C, FRCER, Prayagraj described about different agroforestry species. Dr. S. D. Shukla told about the ornamental plants. All other officials and staff including Shri Ratan Gupta, Shri harish, Shri Sajan Kumar, Shri Ambuj, Shri Ashok Kumar, Dhri Kuldeep Chauhan, Shri Yogesh Kumar, Mr. Faraj, Ms. Charlie Mishra etc. contributed in successful implementation of activity.



शहीदों की याद में रोपे गए फलदार पौधे

प्रयागराज | संवाददाता

अमृत महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को देश के शहीदों की याद में पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से पौधरोपण किया गया। पड़िला स्थित केंद्र की अनुसंधान पौधशाला में कोरोना नियमों का पालन करते हुए वानिकी फल उद्यान की स्थापना का संकल्प लिया गया।

पौधरोपण में केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ शोध छात्र शामिल हुए। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि यह उद्यान



पड़िला स्थित परिसर में अमृत महोत्सव के तहत पौधरोपण किया गया। • हिन्दुस्तान देशहित में शहीदों के बलिदान को समर्पित है कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिता तोमर, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीक अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला ने उपस्थित किसानों से कम से कम एक

जयंती पर लगाए गए पौधे

प्रयागराज। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में मंगलवार को श्यामा प्रसाद की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि प्रो. एनबी सिंह रहे। इस अवसर पर परिसर में पौधरोपण किया गया। प्राचार्या डॉ. कंचन यादव ने मुखर्जी के ऐतिहासिक स्मृतियों को साझा किए। डॉ. केएन सिंह, डॉ. संघसेन सिंह, डॉ. मंजू सिंह, डॉ. हिमांशु यादव आदि मौजूद रहे।

पौधा लगाने की बात कही। रतन गुप्ता, योगेश, विजय, फ़राज़, कुलदीप, राहुल, चाली, अंकुर, शशी तथा नीरज आदि ने पौधरोपण किया।

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा शहीद स्मृति वन महोत्सव का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा भारत अमृत महोत्सव के अंतर्गत केंद्र की अनुसंधान पौधशाला में कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए शहीदों की स्मृति में वानिकी फल उद्यान की स्थापना की गयी जिसमें चिरौंजी, करौदा, कैथा, बेल, आँवला, सहजन, अमरा, बड़हल, फालसा, शहतूत, कदम्ब, बालम खीरा, महुआ आदि 25 से अधिक प्रजातियाँ सम्मिलित हैं। केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ शोध छात्रों ने एक हजार से अधिक पौधे रोपित किये। केंद्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह ने कार्यक्रम की भावना से अवगत कराते हुए कहा कि यह उद्यान देशहित में

शहीदों के बलिदान पर समर्पित है साथ ही वन फलों पर शोध और संरक्षण में कारगर होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 कुमुद दुबे ने पर्यावरण में जंगली फल वृक्षों के हस्तक्षेप तथा इनके माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी समुदाय को धनोपार्जन के मार्ग से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनिता तोमर ने पौधरोपण के साथ विभिन्न चयनित पौधों हेतु आवश्यक मिट्टी, खाद, जल तथा रख-रखाव से पूर्णतया अवगत कराया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी द्वारा फल उद्यान से किसानों की आय में वृद्धि पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में पर्यावरण सुधार हेतु वरिष्ठ



तकनीक अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला ने उपस्थित किसानों से कम से कम एक पौधा रोपित करने हेतु अनुरोध किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम

में अनुसंधान पौधशाला से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्रों से काफी किसानों ने भाग लिया तथा पौधरोपण सम्बंधित जानकारियाँ प्राप्त की। रतन गुप्ता

के साथ शोधछात्रों यथा योगेश, विजय, फ़राज़, कुलदीप, राहुल, चाली, अंकुर, शशी तथा नीरज आदि ने भी बढ़चढ़ कर पौधरोपण किया।

शहीद स्मृति वन महोत्सव

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा भारत अमृत महोत्सव के अंतर्गत केंद्र की अनुसंधान पौधशाला में कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए शहीदों की स्मृति में वानिकी फल उद्यान की स्थापना की गयी जिसमें चिरौंजी, करौदा, कैथा, बेल, आँवला, सहजन, अमरा, बड़हल, फालसा, शहतूत, कदम्ब, बालम खीरा, महुआ आदि 25 से अधिक प्रजातियाँ सम्मिलित हैं। केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ शोध छात्रों ने एक हजार से अधिक पौधे रोपित किये। केंद्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह ने कार्यक्रम की भावना से अवगत कराते हुए कहा कि यह उद्यान देशहित में शहीदों के बलिदान पर को समर्पित है साथ ही वन फलों पर शोध और संरक्षण में कारगर होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 कुमुद दुबे ने पर्यावरण में जंगली फल वृक्षों के हस्तक्षेप तथा इनके माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी समुदाय को धनोपार्जन के मार्ग से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनिता तोमर ने पौधरोपण के साथ विभिन्न चयनित पौधों हेतु आवश्यक मिट्टी, खाद, जल तथा रख-रखाव से पूर्णतया सभा को अवगत कराया।

